

1	2	3
खेती	90	1.8
उद्योग मण्डल	44	8.9
एस०एस०पी०यूनिट	35	4.5
सिन्दरी	150	4.4
<b>योग(क)</b>	<b>665</b>	<b>105.4</b>
<b>ख. गर सरकारी क्षेत्र</b>		
बड़ौदा	50	17.2
विजाग	104	28.2
गोआ	42	11.6
टूटीकोरिन	73	18.7
इन्दौर	10	3.4
एस०एस०पी० यूनिट	201	57.8
<b>योग(ख)</b>	<b>480</b>	<b>136.9</b>
<b>ग. सहकारी क्षेत्र</b>		
कान्डला	127	70.3
<b>कुल योग (क+ख+ग)</b>	<b>1272</b>	<b>312.6</b>

**विवरण**

8.6.1980 से लागू वैधानिक नियंत्रण के अन्तर्गत स्वदेशी उत्पादित उर्वरकों का अधिकतम खुदरा मूल्य

उत्पाद का नाम	प्रति टन अधिकतम खुदरा मूल्य (रु० में)
1	2
1. यूरिया	2000
2. डाई अमीनो फास्फेट	3050
3. एन.पी.के. (17-17-17)	2200

1	2
4. पोटेशियुक्त नाइट्रो-फास्फेट (15-15-15)	1800
5. एन.पी.के. (19-19-19)	2500
6. अमोनियम फास्फेट सल्फेट (20-20-0)	2200
7. नाइट्रोफास्फेट (20-20-0)	2050
8. अमोनियम फास्फेट सल्फेट (16-20-0)	1950
9. यूरिया अमोनियम फास्फेट (24-24-0)	2600
10. यूरिया अमोनियम फास्फेट (28-28-0)	3050
11. एन.पी.के. (14-28-14)	2600
12. एन.पी.के. (10-26-26)	2500
13. एन.पी.के. (14-35-14)	2900
14. एन.पी.के. (12-32-16)	2750
15. सुपर फास्फेट ट्रिपल (दानेदार)	2200
16. सुपर फास्फेट ट्रिपल (पाउडर)	2050

**जैसलमेर, राजस्थान में तेल और गैस के लिए छिद्रण कार्य**

1971. श्री अशोक गहलोत : क्या पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने तेल और गैस की खोज के लिए जैसलमेर (राजस्थान) में छिद्रण कार्य आरम्भ कर दिया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उसी क्षेत्र (पाकिस्तानी क्षेत्र में) सूई गैस मिली है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार को यह जानकारी है कि इससे जैसलमेर क्षेत्र में तेल और गैस मिलने की सम्भावना और अधिक बढ़ गई है;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार तेल और गैस का पता लगाने के लिये जैसलमेर क्षेत्र में छिद्रण कार्य फिर से आरम्भ करने का विचार कर रही है;

(ङ) यदि हां, तो सरकार द्वारा उस के लिए बनाई गई योजना की रूपरेखा क्या है; और

(च) यदि नहीं, तो इस के कारण क्या हैं ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) : (क) जी, हां। जैसलमेर (राजस्थान) क्षेत्र में व्यघन कार्य 1965 में आरम्भ किया गया था।

(ख) जी, हां।

(ग) पाकिस्तान में भूगर्भीय परिस्थितियां जैसलमेर क्षेत्र की परिस्थितियों से कुछ भिन्न हैं। इसलिए परस्पर तुलना करना सम्भव नहीं है।

(घ) जैसलमेर क्षेत्र में व्यघन कार्य संचालन भूकम्पीय सर्वेक्षणों, जिन्हें इस समय किया जा रहा है, के परिणामस्वरूप प्राप्त उपयुक्त संभावनाओं पर निर्भर करेगा।

(ङ) वर्ष 1980-81 के दौरान जैसलमेर के किशनगढ़ शैलफ क्षेत्र में उन्नत तकनीकों के साथ 8/12 किलोमीटर ग्रिड में भूकम्पीय सर्वेक्षण किये जाने का प्रस्ताव है।

#### Installed Generating Capacity of Indraprastha and Badarpur Power Stations

1072. SHRI RAJESH KUMAR SINGH: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) what is installed generating capacity of the Indraprastha and Badarpur thermal power stations in

Delhi and what is their present rate of power generation;

(b) what are the main causes for the shortfall, if any, in the power generation by these power stations;

(c) to what extent the Capital city of Delhi receives power supply from the member States of the Northern power grid to meet the gap between demand and supply of power and whether the supply is regular; and

(d) the steps taken by Government to improve the power generation of the above mentioned power stations?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN): (a) The present installed generation capacity of Delhi Electric Supply Undertaking (Indraprastha and Rajghat Power Stations) and Badarpur thermal power station and their present level of generation is as follows:—

System	Installed capacity (derated)	Present level of generation (MW)
DESU (IP & Rajghat)	306	200-250
BT.P.S.	485	200-300 (Unit 2 of 100 MW is out for maintenance).

(b) The power position in Delhi has greatly improved as compared to last year and at present IP and B.T.P.S. normally meet the requirement of Delhi. The main reason for shortfall of generation at times at these power stations has primarily been due to outages of the generating units due to tube leakage, problems in milling plant and other auxiliaries etc., quality of coal and non-availability of spares readily.